सैगा बारहसिंघा

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में हाल ही में **सैगा बारहसिंघा (सैगा टैटरिका)** की स्थिति को देखते हुए उन्हें **गंभीर रूप से संकटग्रस्त से निकट संकटग्रस्त** में पुनर्वर्गीकृत किया है।

- यह महत्त्वपूर्ण अद्यतन सकारात्मक संरक्षण प्रयासों को दर्शाता है तथा सैगा बारहसिंघा प्रजाति के अस्तित्व के लिये एक आशावादी दृष्टिकोण प्रदान करता है।

सैगा बारहसिंघा से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **परिचय:**
  - सैगा बारहसिंघा एक **बड़ा, घुमंतू, प्रवासी शाकाहारी (शाकभक्षी) प्राणी** है जो यूरेशिया के स्टेपीज़ में निवास करता है।
    - यह कज़ाकिस्तान, मंगोलिया, रूसी संघ, तुर्कमेनिस्तान एवं उज़्बेकिस्तान में पाया जाता है।
  - यह बोविडे (ऑर्डर आर्टियोडैक्टाइला) परिवार से संबंधित है।
  - सैगा की दो उप-प्रजातियाँ हैं: **सैगा टाटारिका टाटरिका** (अधिकांश रेंज (range) में पाई जाती हैं) और **सैगा टाटरिका मोंगोलिका** (केवल मंगोलिया में पाई जाती हैं)।
  - ये विशिष्ट आवास में कम उगने वाली वनस्पतियों से आच्छादित **समतल खुले क्षेत्र** होते हैं, जो जानवरों को तेज़ी से भागने की अनुमति देते हैं।
  - उनकी **नाक असामान्य रूप से लटकती हुई** होती है, जिससे वे ऊँट जैसे दिखते हैं, हालाँकि वे बकरी के आकार के होते हैं और नर सैगा में सींग होते हैं।

- **सैगा जनसंख्या में कमी:**
  - सैगा, जो **हिमयुग** के बाद से पृथ्वी पर निवासरत है, को **1991 में सोवियत संघ** के पतन के बाद एक दशक के भीतर अपनी आबादी में 95% से अधिक की कमी का सामना करना पड़ा।
  - यह कमी मुख्य रूप से **इस प्रजाति के मांस और सींग के लिये अवैध शिकार के कारण थी**। इसके सींग का उपयोग एक चीनी पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है।
  - 2015 में एक बड़ी महामारी के कारण 200,000 से अधिक जानवरों की मृत्यु हो गयी थी, जो प्रजातियों की आशाजनक पुनर्प्राप्ति के लिये एक बड़ी क्षति थी।
- **संरक्षण:**
  - संरक्षण प्रयासों से **सैगा बारहसिंघा की वैश्विक रेड लिस्ट स्थिति में सकारात्मक बदलाव** आया है।
    - **कज़ाकिस्तान** ने प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति, अवैध शिकार विरोधी पहलों को लागू करने, कानून प्रवर्तन उपायों तथा राज्य संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना में सराहनीय नेतृत्व दिखाया है।
    - वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के **संरक्षण पर कन्वेंशन (CMS)** ने सैगा बारहसिंघा के संरक्षण के लिये सरकारों और नागरिक समाज संगठनों के बीच सहयोग की सुविधा प्रदान की है।
    - सैगा बारहसिंघा की संख्या **1.9 मिलियन से अधिक** हो गई है साथ ही इसकी मंगोलियाई उप-प्रजाति में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो वर्ष 2023 की गणना में 15,540 की संख्या तक पहुँच गई है।
- **वर्तमान चुनौतियाँ:**
  - **अवैध शिकार,** अवैध व्यापार, बीमारी, **जलवायु परिवर्तन**, अशांति और बुनियादी ढाँचे का विकास लगातार इसके अस्तित्व के लिये चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saiga-antelope